तर्ज-हज़ार राहें मुड़ के देखीं

बोहोत है सोचा पिया ये हमने
कुछ बात ऐसी समझ में आई
पिया वहीं पे जगाओ हमको
जहाँ पे तुमने रूहें भुलाई

1- जहाँ पे हम फरामोश हुए थे
वहीं पे हम तो बैठे हुए हैं
हम तो तुम्हारे चरणों में प्रीतम
ये खेल अर्श से देख रहे हैं
2- हहमें पिया जो पता ये होता
के ऐसी हालत हमारी होगी
तुम सामने हो पिया हमारे
फिर भी ये ऐसी जुदाई होगी
3- वो कैसी जिद्द थी पिया हमारी
न मानी बात हमने तुम्हारी
गुनाह हमारा माफ करो अब
पिया मेरे अब हम तो हैं हारी

Nijanand App